रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

ऑनलाइन जनसुनवाई में 4 प्रकरणों का निपटारा

जबलपुर 06 अक्टूबर। रादुविवि में छात्रों की समस्याओं के निराकरण हेतु आज **दिनांक 06 अक्टूबर, 2020 को अपरान्ह 3.00 बजे** से गूगल मीट पर **ऑनलाइन जनसुनवाई** का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेन्डसे, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा, एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. अशोक मराठे एवं सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कुल 04 प्रकरण आये जिसमें सभी प्रकरणों से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों शीघ्र निराकरण किए जाने के निर्देश दिए गए।

जन–जन तक पहुंचाया जाए वीरांगना रानी दुर्गावती का व्यक्तित्व एवं कृतित्व– कुलपति प्रो. मिश्र – वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पर रादुविवि में ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन

जबलपुर। वीरांगना रानी दुर्गावती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समाज के सामन्जस्य से जन–जन तक पहुंचाने की सार्थक पहल होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति में स्थानीय इतिहास और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावे की बात शामिल है जो कि सराहनीय है। अब समय आ गया है कि वीरांगना रानी का चिंतन, राजनैतिक शासन, महिला सशक्तिकरण से लेकर पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए गए कार्यों को सबके सामने लाने की जरूरत है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पर आयोजित ऑनलाईन व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय के रानी दुर्गावती शोध संस्थान की ओर से 'रानी दुर्गावती शौर्य यात्रा' पर आयोजित ऑनलाईन व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार व दैनिक हिन्दी एक्सप्रेस के संपादक श्री रविन्द्र बाजपेयी ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के बारे में उपलब्ध साहित्य और ऐतिहासिक जानकारियां काफी कम हैं। रानी दुर्गावती गोंडवाना साम्राज्य की बलिदानी रानी थी और उस काल में चंदेल वंशी होने के बावजूद उनका विवाह आदिवासी राजा के साथ हुआ। यह एक महत्वपूर्ण विषय है, इसके अलावा वीरांगना रानी द्वारा गोंडवाना साम्राज्य में किए गए उल्लेखनीय जनहित के कार्यों इत्यादि पर विस्तृत शोध की आवश्यकता है। देश की अस्मिता की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने वाली वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान स्थल को विकसित करने की जरूरत है। युवा पीढ़ी को वीरांगना रानी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। ऑनलाईन व्याख्यान में विषय प्रवर्तन करते हुए विश्वविद्यालय रानी दुर्गावती शोध संस्थान के निदेशक एवं आयोजन संयोजक प्रो. राजीव दुबे ने कहा कि सकारात्मक प्रयासों से ही वीरांगना रानी दुर्गावती को भी इतिहास में वह स्थान प्राप्त होगा जिससे अधिक से अधिक लोग प्रेरणा लेंगे। अतिथि परिचय कला संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने प्रस्तुत किया। ऑनलाईन व्याख्यान का संचालन विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा ने किया। आभार प्रदर्शन प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 944 / 06.10.2020